University in News on 05 September 2022

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: स्नातक प्रवेश के लिए बीए में सबसे ज्यादा आवेदन

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2022-23 स्नातक प्रवेश के लिए 46209 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। हालांकि परीक्षा फार्म भरने के बावजूद 14533 अभ्यर्थी स्नातक प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए।

एलयू में प्रवेश के लिए आवेदन संख्या के मामले में सबसे आगे तीन स्नातक पाठ्यक्रम बीए, बीकॉम और बीएससी गणित रहे। बीए पाठ्यक्रम आवेदन के मामले में सबसे आगे रहा। बीए में 9946 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। दूसरे नम्बर में बीकॉम के लिए 5972 अभ्यर्थियों व तीसरे नंबर पर बीएससी गणित पाठ्यक्रम रहा। जिसमें 5580 अभ्यर्थियों ने आवदेन किया है। पाठ्यक्रमों में प्रवेश की जद्दोजहद सबसे ज्यादा होगी। इसके साथ ही बीसीए, बीबीए और एलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश मुश्किल होगा। वहीं बीजेएमएसी, बीएलएड, बीएएसी एग्रीकल्चर में में क्रेज नहीं दिखा।

अन्य विषयों के मुकाबले बीए में ज्यादा आवेदन

स्नातक प्रवेश परीक्षा में 14 हजार से अधिक ने परीक्षा छोड़ी है। जिसमें सबसे बड़ी संख्या में बीए प्रवेश परीक्षा में देखने को मिली। बीए की प्रवेश परीक्षा अन्य पाठ्यक्रमों की तुलना में अनुपस्थित रसबसे ज्यादा रहीं। 2974 ने बीए की परीक्षा छोड़ी थी। हालांकि बीए में सबसे ज्यादा 9946 आवेदन भी आए थे।

अंतिम दिन हुई बीकॉम परीक्षा: एलयू की स्नातक प्रवेश परीक्षा रविवार को खत्म हो गई। अन्तिम दिन बीकॉम आनर्स और बीकॉम में प्रवेश के लिए परीक्षा सुबह और शाम की पाली में हुई।

स्नातक प्रवेश परीक्षा के विभिन्न कोर्सों की स्थिति

कोर्स	परीक्षा दी	परीक्षा छोड़ी	आवेदन
बीएलएड	662	420	1082
डी फार्मा	513	292	805
बीजेएमसी	109	113	222
बीवीए-बीएफए	611	198	809
बीएससी बायो	2883	1618	4501
बीएससी एग्रीकल्चर	379	294	673
बीए	6972	2974	9946
बीएससी गणित	3753	1827	5580
बीसीए	2073	1062	3135
एलएलबी पांच वर्षीय	3477	1389	4866
बीबीए	2628	1459	4087
बीकॉम आनर्स	3146	1385	4531
बीकॉम	4470	1502	5972

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लखनऊ विवि खोलेगा कृषि संकाय

शासन को भेजा जाएगा 50 एकड़ जमीन का प्रस्ताव

अक्षय कुमार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक) में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग लाने के साथ ही नई कवायद शुरू की है। विवि अब अपना कृषि संकाय खोलेगा। जल्द ही शासन को 50 एकड़ जमीन का प्रस्ताव भेजा जाएगा। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद औपचारिकताएं पूरी कर संचालन शुरू किया जाएगा।

लविवि में वर्तमान में कला, विज्ञान, प्रबंधन, लॉ, कॉमर्स, इंजीनियरिंग, फार्मास्यूटिकल साइंसेज संकाय हैं। वहां इनसे जुड़े विभिन्न कोर्सों की पढ़ाई होती है। वहीं, विवि से इस सत्र से जुड़े रायबरेली, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व हरदोई जिलों के कॉलेजों में बीएससी-

अभी तक संबद्ध कॉलेजों में ही होती है बीएससी व एमएससी एजी की पढ़ाई

एमएससी एजी की पढ़ाई होती है। कुल डेढ़ दर्जन कॉलेजों में बीएससी-एमएससी एजी की पढ़ाई तो होती है, लेकिन विवि में इसका कोई संकाय नहीं है। कोर्स के सिलेबस अपग्रेड करने, पेपर बनाने से लेकर परीक्षा कराने आदि में समस्या आती है। वर्तमान में यह कोर्स विज्ञान संकाय के अंतर्गत चलाया जा रहा है। इसे लेकर भी खींचतान चलती रहती है। यही वजह है कि विवि प्रशासन अब इसका संकाय शुरू करेगा।

अभी तक सेकंड सेमेस्टर का कार्यक्रम ही नहीं

स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि एक तरफ जहां स्नातक दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं और पीजी सेकंड सेमेस्टर की 10 सितंबर से शुरू हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अभी तक बीएससी-एमएससी एजी का परीक्षा कार्यक्रम भी नहीं जारी हो सका है। जानकारी के अनुसार, अभी परीक्षकों की तैनाती नहीं हो पाई है। इससे पेपर नहीं बने और परीक्षा की तैयारी पूरी नहीं की जा सकी है।

सेकंड कैंपस में अमृत सरोवर भी

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शासन की ओर से अमृत सरोवर का विकास किया जा रहा है। हम शासन को प्रस्ताव देंगे कि हमारे सेकंड कैंपस स्थित तालाब को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया जाए। इससे शासन की मंशा भी पूरी होगी और उक्त तालाब का भी पुनरुद्धार हो सकेगा। इसके किनारे हमारा बायो डायवर्सिटी पार्क विकसित करने की योजना पर विवि पहले से काम कर रहा है। इसे भी जल्द मूर्त रूप दिया जाएगा।

"विवि में भी हो सकेगी एजी की पढ़ाई

विवि ने एग्रीकल्चर फैकल्टी शुरू करने से संबंधित तैयारी शुरू की है। हम जल्द ही जमीन का प्रस्ताव शासन को देंगे। फैकल्टी खुलने से इससे जुड़े कोर्सों के संचालन में काफी सहूलियत होगी। विवि में भी इसकी पढ़ाई कराई जा सकेगी।

- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

शिक्षकों को मिली सेमिनार ग्रांट

लखनऊ। उच्च शिक्षा परिषद द्वारा लविवि व ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के शिक्षकों को राष्ट्रीय सेमिनार, कॉन्फ्रेंस करने के लिए ग्रांट स्वीकृत की गई है। इसके अनुसार, लविवि की मोनिशा बनर्जी को एप्लीकेशन ऑफ एडवांस मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स इन डिजीज डायग्नोसटिक्स के लिए डेढ़ लाख व प्रो. अनूप भारतीय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजन के लिए 1.45 लाख रुपये की ग्रांट स्वीकृत की गई है। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि की ईशा यादव को मेंसट्रूएल हेल्थ मैनेजमेंट पर कार्यक्रम के लिए डेढ़ लाख व भाषा विवि में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की डॉ. तनु डंग को नैक विषयक कार्यशाला के लिए डेढ़ लाख और व्यापार प्रशासन के प्रो. सैयद हैदर अली को नई शिक्षा नीति संबंधी सेमिनार कराने के लिए सवा लाख रुपये शासन से स्वीकृत किए गए हैं। उच्च शिक्षा परिषद द्वारा गठित एक्सपर्ट पैनल की संस्तुतियों के आधार पर यह स्वीकृति प्रदान की गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

यूजी की प्रवेश परीक्षाएं संपन्न, पीएचडी कल से

लविवि से परीक्षा देकर निकलते विद्यार्थी।

लखनऊ। लविवि की स्नातक प्रवेश परीक्षाएं रविवार को संपन्न हो गई। अब पीएचडी प्रवेश परीक्षा छह से व परास्नातक कोर्सों की परीक्षा 10 सितंबर से शुरू होंगी। आखिरी दिन रविवार को सुबह की पाली में बीकॉम ऑनर्स की प्रवेश परीक्षा ओल्ड व न्यू कैंपस में छह केंद्रों पर की गई। इसमें 3146 विद्यार्थी शामिल हुए। दूसरी पाली में बीकॉम एनईपी की परीक्षा भी ओल्ड व न्यू कैंपस में 06 केंद्रों पर हुई। इसमें 4470 विद्यार्थी शामिल हुए जबकि 1502 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसके साथ ही विवि प्रशासन की कोशिश है कि एक सप्ताह के अंदर स्नातक प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी किया जाए और जल्द काउंसिलिंग भी शुरू की जाए। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि कार्य परिषद की बैठक आज

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में कार्य परिषद की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें शिक्षकों की प्रोन्नति, नए शिक्षकों की नियुक्ति का अनुमोदन व कालेजों की संबद्धता विस्तार सहित कई प्रस्ताव पर मुहर लगेगी। बैठक दोपहर 12 बजे से होगी। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 4

4648 परीक्षार्थियों ने छोड़ी बीकॉम की प्रवेश परीक्षा

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के दोनों कैंपस समेत छह केंद्रों पर दो पालियों में हुई परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। रविवार को बीकॉम में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। इसमें कुल 4,648 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। परीक्षा छोड़ने वाले परीक्षार्थियों को लेकर विश्वविद्यालय ने कहा अब इन्हें दोबारा परीक्षा में शामिल होने का मौका नहीं मिलेगा।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम पाली में बीकॉम आर्नस में प्रवेश के लिए प्रातः 11.30 बजे से दोपहर एक बजे तक परीक्षा आयोजित हुई। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस व न्यू कैंपस समेत छह परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। इस परीक्षा में 3146 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी जबकि 1385 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। वहीं द्वितीय पाली की परीक्षा शाम चार बजे से साढ़े पांच बजे तक संपन्न हुई।

बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 2500 रुपये शुल्क

प्राविधिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित तीन राज्य विश्वविद्यालय अपने बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश पंजीकरण शुल्क की स्थिति साफ कर दी है। प्रवेश के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए हरकोर्ट बलटर प्राविधिक विश्वविद्यालय कानपुर (एचबीटीयू) में पंजीकरण कराने पर 2500 रुपये, मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमएमएमटीयू) में 2000 रुपये और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ (एकेटीयू) में 1000 रुपये जमा कराया जा रहा है।